विक्रम संवत् २०८२ भारती शिक्षा समिति बिहार, पटना युगाब्द ५१२७

सप्तशक्ति संगम

पूरनमल बाजोरिया शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, नरगाकोठी, चम्पानगर, भागलपुर

दिनांक :- 23 सितम्बर 2025 (मंगलवार, आश्विन शुक्ल पक्ष द्वितीया)

।। कीर्तिः श्रीवाक् च नारीणां स्मृतिर्मेधा धृतिः क्षमा।। – श्रीमद्भागवदगीता १०/३४

वृत्त

कार्यक्रम - सप्तशक्ति संगम

स्थान - पूरनमल बाजोरिया शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय नरगाकोठी, चम्पानगर, भागलपुर

तिथि - २३/ ९/२०२५

मुख्य वक्ता - श्रीमती सुप्रिता कुमारी, आचार्या सरस्वती विद्या मंदिर सतघरा.

मुख्य वक्ता- डॉ विभा झा, आचार्या शिशु वाटिका नाथनगर

विशेष सम्मान - श्रीमती संगीता दीदी माता सूरज कुमार राष्ट्रीय स्तर पर वॉलीबॉल खेल में बिहार राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

श्रीमती अलका दीदी माता देव कृष्ण कुमार बिहार की विलुप्त कला की विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर बिहार राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

कार्यक्रम में उपस्थित कुल संख्या - १०२ (बहनों की माता एवं दीदी जी)

कार्यक्रम वृत्त

कार्यक्रम की शुरुआत बहनों के द्वारा वातावरण निर्मित के लिए गीत "नवयुग का विचार आया" प्रस्तुत की गई।

आज दिनांक 23 सितंबर 2025 दिन मंगलवार को पूरनमल बाजोरिया शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय नरगाकोठी चम्पानगर भागलपुर में सप्तशक्ति संगम 2025 का आयोजन किया गया। अपनी परम्परा के अनुसार कार्यक्रम का श्री गणेश दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। दीप प्रज्ज्वलन सुश्री आदिति कारवा,रत्न प्रिया ठाकुर, अनीता सिन्हा, सुप्रिता कुमारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

महाविद्यालय की बहनों द्वारा संस्कृत वंदना प्रस्तुत की गई।

डॉ शुचि झा ने अतिथि परिचय कराया। सम्मान हेतु सुश्री आदिति कारवा ने रत्न प्रिया ठाकुर एवं अनीता सिन्हा को अंगवस्त्र एवं पुष्प गुच्छ भेंट किया साथ ही शुचि झा ने सुप्रिता कुमारी एवं विभा झा को सम्मानित किया।

प्रांतीय संयोजिका श्रीमती अनीता सिन्हा जी के द्वारा प्रस्तावना प्रस्तुत की गई और उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला एवं महाभारत, रामायण का दृष्टांत देते हुए कहा कि मातृ शक्ति के बिना सृष्टि की कल्पना असम्भव है साथ ही साथ एक सभ्य समाज हेतु मातृ शक्ति का योगदान के बिना अकल्पनीय है। माताओं को शक्तियां तथा सप्त गुण को पहचाना होगा और अपने आप से आत्मसात करना होगा तभी हम परिवर्तन ला सकते हैं।

तत्पश्चात महाविद्यालय के बहनों द्वारा सामूहिक गीत " हम ही मात्र शक्ति हैं " की प्रस्तुति की गई।

श्रीमती सुप्रिता कुमारी ने कुटुम्ब प्रबोधन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आप सभी परिवार में रहते हैं। यदि परिवार में एकत्रित होकर कुछ कार्य करें तो हमारा परिवार आगे बढ़ता है, तथा जब परिवार आगे बढ़ेगा तो समाज आगे बढ़ेगा और हमारा समाज आगे बढ़ेगा तो हमारा राष्ट्र आगे बढ़ेगा। आगे उन्होंने बताया कि मातृ शक्ति का दायित्व है कि बच्चों को अच्छा संस्कार दें जिसमें कि वह हमारे धर्म और संस्कृति को साथ लेकर चलें। अधिकार से कर्तव्य को अधिक माना जाता है तभी मन विस्तारित और परिवार सुरक्षित होता है। विस्तारित परिवार की कल्पना 'आत्मवत् सर्वभूतेषु' के दर्शन से है। इसलिए चराचर को रिश्ते में बांध रखा है। उदाहरण - भारत माता, गंगामाता, चंदा मामा और बिल्ली मौसी इत्यादि।

महाविद्यालय की दीदी जी आदिति कारवां द्वारा उपस्थित माताओं एवं बहनों के बीच प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम संचालित किया गया। तथा इस कार्यक्रम में सही उत्तर देने वाली माताओं को महाविद्यालय द्वारा पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार वितरण का कार्य महाविद्यालय की दीदी डॉ. शुचि झा के द्वारा किया गया।

इसके पश्चात भारतीय संस्कृति के आदर्श भारतीय नारी के चरित्र को उन्हीं की वेशभूषा में प्रस्तुत करने के लिए महाविद्यालय की दीदी अदिति कारवां ने प्रेरणादाई महिलाओं का संदेश लेकर महादेवी वर्मा एवं सावित्रीबाई फुले को प्रस्तुत की।

अगली वक्ता के रूप में डॉ विभा झा ने अपनी विषय देश की वर्तमान स्थिति में महिलाओं का योगदान पर चर्चा की। इन्होंने बताया कि भारत की महिलाएं वर्तमान समय में हर कार्य को कर रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक दृष्टि से भारत में महिला का योगदान अतुलनीय रहा है। अपनी कुल-परंपरा का पालन, कुल देवता की पूजा करना, गौरवशाली इतिहास बच्चों को कहानी के रूप में बताना, अच्छा ग्रंथालय चलाना, घर में आए हुए अतिथियों का यथोचित सत्कार करना, भारतीय मूल्यों की पुस्तकें पढ़ना, पास के मंदिर/प्रार्थना स्थल की स्वच्छता करना। यात्रा में स्वच्छता रखना, सामूहिक रूप से व्रत-पर्व का आयोजन करना। हम भारत राष्ट्र के नागरिक हैं। हमारा कर्तव्य है नागरिक के रूप में अपने कर्तव्य समझें और निभाएं जैसे बिना टिकट यात्रा नहीं करना, घर का कचरा सड़क पर ना डालना, जन,जल, जंगल ,जीव तथा जमीन का संरक्षण करना आदि।

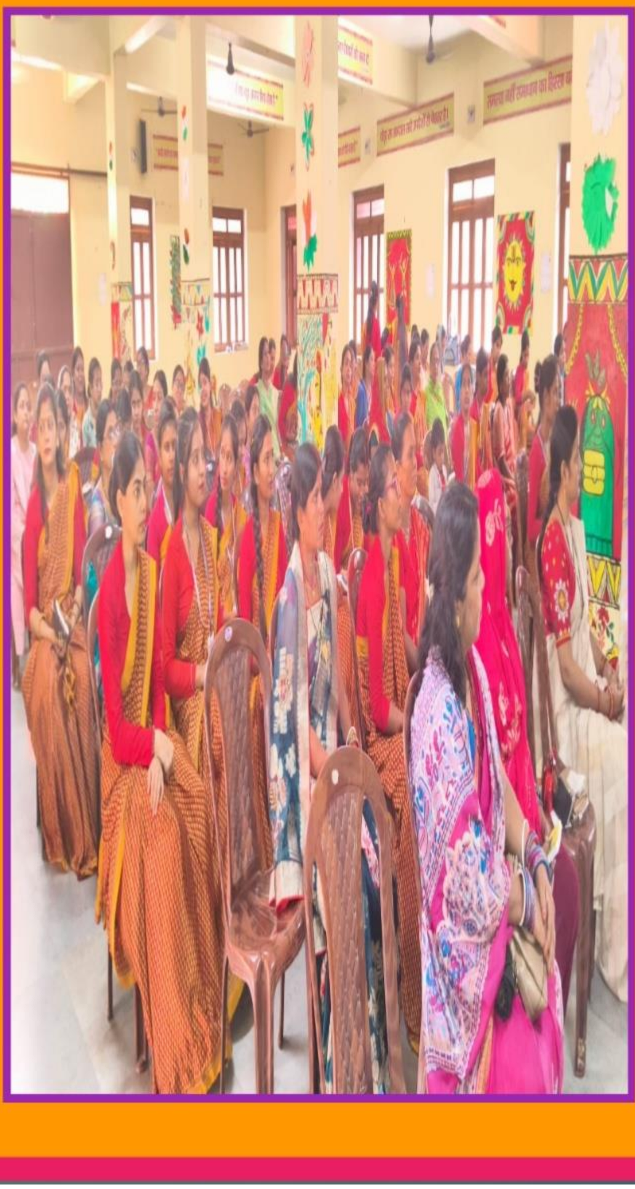

विशेष सम्मान - श्रीमती संगीता दीदी माता सूरज कुमार राष्ट्रीय स्तर पर वॉलीबॉल खेल में बिहार राज्य का प्रतिनिधित्व किए जाने पर श्रीमती संगीता दीदी को श्रीमती रतन प्रिया ठाकुर ने सम्मानित किया।
श्रीमती अलका दीदी माता देव कृष्ण कुमार बिहार की विलुप्त कला की विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर बिहार राज्य का प्रतिनिधित्व किए जाने पर श्रीमती अनीता सिन्हा ने सम्मानित किया।

अनुभव कथन के लिए माता में से ही दो माताएं उन्होंने अपना अनुभव से अनुभव को साझा किए। पहले माता कविता शर्मा उन्होंने कहा कि यहां बहुत सारी माताओं को देखने और सुनने को मिला। यह हमारे अंदर नारी शक्ति को जागृत किया। यहां आकर मुझे बहुत हर्ष की अनुभूति हुई। हमारी दूसरी माता माला चौधरी ने बताया इस सम्मेलन में आकर यह पता चला की नारियों को यहां इतना सम्मान मिला है। नारियों से ही एक मां के रूप में अपने बच्चों की देखभाल ध्यानपूर्वक करनी चाहिए और भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका कितनी अहम है प्रश्नोत्तर के माध्यम से उन्हें पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अध्यक्षीय उद्बोधन में श्रीमती रत्न प्रिया ठाकुर दीदी ने बताया कि नारी शक्ति को जागृत करने का सही समय है। साथ ही उन्होंने महाविद्यालय में उपस्थित माताओं को आत्मविश्वास के साथ पूर्ण अनुशासित रूप से देश के विकास में सहयोग करने का आग्रह किया।

आभार ज्ञापन सुश्री अदिति कारवां दीदी ने एवं संकल्प का कार्य महाविद्यालय की दीदी डॉक्टर शुचि झा दीदी द्वारा कराया गया।

प्रेस विज्ञप्ति

emphasized its spiritual dimension, describing it as not

Grand Celebration of Sapt Shakti Sangam 2025 at Purnamal Bajoria College

S.Kumar, Bhagalpur.

Purnamal Bajoria Teacher Training College, Nargakothi, Champanagar, Bhagalpur hosted the grand Sapt Shakti Sangam 2025 on Tuesday, celebrating women's empowerment and their contribution to society. Following tradition, the event commenced with the lighting of the Ganesh lamp, jointly performed by Miss Aditi Karwa, Ratna Priya Thakur, Anita Sinha, and Suprita Kumari. The program began with a musical performance by B.Ed. first-year students Swati, Simpi, Monisa, Vasundhara, and Bhavna who presented the song "Nav Yug Ka Vichar Aaya". Dr. Suchi Jha then introduced the guests to the gathering. During the felicitation ceremony, Miss Aditi Karwa honored Ratna Priya Thakur and Anita Sinha with traditional shawls and bouquets, while Dr. Suchi Jha recognized Suprita Kumari and Dr. Vibha Jha for their contributions.

The event's inaugural address was delivered by Anita Sinha, who highlighted the objectives and significance of Sapt Shakti Sangam. Drawing references from the Mahabharata and Ramayana, she emphasized that the very idea of creation is incomplete without Matr Shakti (maternal/powerful feminine energy) and stressed the indispensable role of women in building a civilized society.Following this, Suprita Kumari delivered a session on family awareness, explaining in detail the advantages and challenges of joint and nuclear family systems. The next segment featured a quiz competition organized by Aditi Karwa, in which all mothers and women actively participated. Winners were felicitated with awards, including Sanna Khatoon, Baby Acharya, Mala Chaudhary, Monisha Kumari, Saroj Devi, Pratibha Devi, Soumya Bharti, and Neelam.The event also celebrated the contributions of inspirational women, with tributes to the attire and legacy of Savitribai Phule and Mahadev Verma. Dr. Vibha Jha highlighted the current role of women in the nation's social and developmental landscape.Miss Aditi Karwa served as the coordinator for Sapt Shakti Sangam 2025. The presidential address was delivered by Ratna Priya Thakur, the vote of thanks by Aditi Karwa, and the concluding resolution was presented by Dr. Suchi Jha. The event successfully underscored the social, familial, and national role of women, inspiring all attendees to recognize and appreciate the transformative power of women in society.

सप्त शक्ति संगम 2025: मातृ शक्ति का महापर्व और सामाजिक जागरूकता संदर्भवश.....

एसके झा

सप्त शक्ति संगम 2025 एक ऐसा आयोजन है जो मातृ शक्ति के महत्व, महिलाओं के योगदान और सामाजिक जागरूकता को उजागर करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। यह महोत्सव प्रत्येक वर्ष महिला सशक्तिकरण, पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए संपन्न होता है। पूरनमल बाजोरिया शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, नरगाकोठी, चम्पानगर, भागलपुर में आयोजित यह कार्यक्रम महिलाओं के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक योगदान को मान्यता देने का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है।इस वर्ष सप्त शक्ति संगम का आयोजन "सप्त शक्ति संगम 2025" के रूप में हुआ। इसका उद्देश्य न केवल महिलाओं की शक्ति और उनके समाज में योगदान को पहचानना है, बल्कि युवाओं और छात्राओं को भी प्रेरित करना है कि वे अपनी शिक्षा, सामाजिक भूमिका और परिवार में संतुलन के महत्व को समझें। जो ज्ञान, ऊर्जा और सकारात्मकता का परिचायक माना जाता है।महिलाओं का योगदान केवल पारिवारिक या घरेलू स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी निर्णायक भूमिका निभाता है।सप्त शक्ति संगम के दौरान बताया जाता है कि मातृ शक्ति ही परिवार और समाज में स्थिरता और सामंजस्य बनाए रखने की मूल शक्ति है।कार्यक्रम में महिलाओं को अपनी जानकारी, सृजनात्मक सोच और सामाजिक जागरूकता दिखाने का अवसर प्रदान किया जाता है.देश की वर्तमान परिस्थितियों में महिलाओं के योगदान पर चर्चा के दौरान बताया जाता है कि महिलाएं न केवल परिवार, बल्कि समाज, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।सप्त शक्ति संगम का महत्व केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है। यह महिलाओं को सशक्त बनाने, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने और समाज में उनके योगदान को मान्यता देने का एक प्रभावशाली मंच है। यह कार्यक्रम यह संदेश देता है कि मातृ शक्ति ही समाज और राष्ट्र के विकास की मूलधारा है। साथ ही, यह युवा पीढ़ी और छात्राओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है कि वे शिक्षा, परिवार और समाज में संतुलन बनाए रखते हुए समाज की सेवा करें।सप्त शक्ति संगम 2025 ने मातृ शक्ति के महत्व को स्पष्ट रूप से रेखांकित करते यह दिखाया कि महिलाओं का योगदान हर समाज, हर परिवार और राष्ट्र की सफलता के लिए अनिवार्य है। यह कार्यक्रम न केवल सांस्कृतिक और शैक्षिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और जागरूकता फैलाने में भी एक मजबूत कदम है।

पूरनमल बाजोरिया शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में संपन्न हुआ सप्त शक्ति संगम 2025

अमर गाथा एस कुमार

भागलपुर। पूरनमल बाजोरिया शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, नरगाकोठी, चम्पानगर में मंगलवार को सप्त शक्ति संगम 2025 का भव्य आयोजन किया गया। परंपरा के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गणेश दीप प्रज्वलित कर किया गया। दीप प्रज्वलन सुश्री आदिति कारवा, रत्ना प्रिया ठाकुर, अनिता सिन्हा और सुप्रिता कुमारी ने संयुक्त रूप से किया।कार्यक्रम की शुरुआत बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्राओं स्वाती, सिम्पी, मोनिसा, वसुन्धरा और भावना द्वारा "नव युग का विचार आया" नामक गीत की प्रस्तुति से हुई। इसके बाद डॉ. शुचि झा ने अतिथियों का परिचय कराया। सम्मान समारोह में सुश्री आदिति कारवा ने रत्ना प्रिया ठाकुर और अनिता सिन्हा को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट किए, जबकि डॉ. शुचि झा ने सुप्रिता कुमारी एवं विभा झा का सम्मान किया।कार्यक्रम की प्रस्तावना अनिता सिन्हा ने प्रस्तुत की। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला और महाभारत एवं रामायण के दृष्टांत देते हुए कहा कि मातृ शक्ति के बिना सृष्टि की कल्पना असम्भव है। उन्होंने यह भी बताया कि एक सभ्य समाज में मातृ शक्ति का योगदान अतुलनीय है।इसके बाद सुप्रिता कुमारी ने कुटुंब प्रबोधन पर चर्चा की। उन्होंने संयुक्त परिवार और एकल परिवार के लाभ एवं चुनौतियों को विस्तारपूर्वक समझाया।कार्यक्रम के अगले चरण में आदिति कारवा द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सभी माताओं और बहनों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में विजेता माताओं को पुरस्कृत किया गया। सन्ना खातून, बेबी आचार्या, माला चौधरी, मोनीशा कुमारी, सरोज देवी, प्रतिभा देवी, सौम्या भारती और नीलम को पुरस्कार प्रदान किया गया।कार्यक्रम में प्रेरणादायक महिलाओं के योगदान पर भी चर्चा हुई, जिसमें सावित्रीबाई फुले और महादेव वर्मा की वेश-भूषा को सराहा गया। डॉ. विभा झा ने देश की वर्तमान परिस्थितियों में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला।सप्त शक्ति संगम 2025 की संयोजक आदिति कारवा रहीं। अध्यक्षीय उद्बोधन रत्ना प्रिया ठाकुर ने दिया, धन्यवाद ज्ञापन आदिति कारवा ने प्रस्तुत किया और संकल्प डॉ. शुचि झा ने कराया।कार्यक्रम ने महिलाओं की सामाजिक, पारिवारिक और राष्ट्रीय भूमिका को उजागर करते हुए सभी उपस्थितों को प्रेरित किया।